SHRI NILOTPAL BASU: Sir, the Minister has not answered my question. I want the specific name of the body which proposed it and on the basis of which the Central Advisory Board took cognizance of that proposal.

SHRI S. JAIPAL REDDY: The Minister, at that time, formed a Committee with himself as the Chairperson for this purpose and took a view on the file; while no decision materialised in the form of sanction.

DR. KARAN SINGH: The disappearance of the River Saraswati is one of the great mysteries of our archaeology and of our history because from the Sangam, the Ganga, the Yamuna and the Saraswati, *W&R\ ST^T^I M %* I Where did it go? How did it go? The Minsiter has said that it is only after the excavation that he would consider an integrated project as suggested by one of the hon. Members. My submission is this. Wouldn't the Minister like to do the two things simultaneously? You can do remote sensing, you can do satellite photography and you can also do excavations so that if there is a link between the disappeared river and the archaeological sites, that can be found. They don't have to come seriatim, perhaps they can go contiguously.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, the suggestion will be studied. But as of now, we have only found archaeological objects whose dates can be traced to pre-Harappa and Harappa culture. There are certain rivulets now. Beyond that there is not enough evidence to show that a particular river had existed in the past.

उतराचंल में प्राचीन धार्मिक स्थानों और मंदिरों की सुरक्षा

*62. **श्री हरीश रावत :** क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय पुरात्तव सर्वेक्षण द्वारा मंत्री उतरांचल में जिन-जिन धार्मिक स्थानों और मंदिरों का संरक्षण किया जा रहा है, उसके नाम क्या है :

(ख) क्या उनका मंत्रालय इन स्थानों के संरक्षण और विकास के लिए किन्हीं योजनाओं पर कार्य कर रहा है : और

(ग) यदि हां, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या है और गत दो वर्षों में इस प्रयोजनार्थ वर्ष-वार कितनी राशि खर्च की गई है और वर्ष 2004-2005 में कितनी राशि व्यय किये जाने का विचार है ?

संस्कृति मंत्री (श्री एस.जयपाल रेड्डी) : (क)से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

उतरांचल में प्राचीन धार्मिक स्थानों और मंदिरों की सुरक्षा

(क) उतरांचल राज्य में भारतीय पुरात्तव सर्वेक्षण के देहरादून मंडल के अधीन 44 केन्द्रीय संरक्षित स्मारक है जिनमें 27 मंदिर/मंदिरों के अवशेष हैं। इन संरक्षित स्मारकों का ब्यौरा विवरण में दिया गया है (नीचे देखिये)।

(ख) भारतीय पुरात्तव सर्वेक्षण इन स्मारको के विकास के लिए विभिन्न स्कीमों पर कार्य कर रहा है। संरक्षण कार्य के अलावा, उत्तरांचल के अधिकांश स्थलों पर भूदृश्य निर्माण, पीने का पानी तथा प्रसाधन कक्ष सुविधा जैसी पर्यटक सुविधांए , युनिफोर्म साइनेज, नारा पट्ट, निर्देश पट्ट जूते रखने के लिए पट्टे, प्रस्तर बेंचे, लोहे निर्मित कूड़ादानों एंव सुझाव पेटिकाओं की व्यवस्था की गई है।

(ग) पिछले दो वर्षों के दौरान किए गए व्यय का ब्यौरा निम्न प्रकार है-

2002-2003	64.13 लाख रूपए
2002-2004	138.83 लाख रूपए

वर्ष 2004-2005 के दौरान संरक्षण कार्यक्रम के लिए 168.89 लाख रूपए की धनराशि का प्रस्ताव किया गया है।

विवरण

देहरादून मंडल, देहरादून के क्षेत्राधिकार में आने वाले केन्द्रीय संरक्षित धार्मिक स्थानों तथा मदिंरो की सूची

क्रं सं.	स्मारक/स्थल का नाम	स्थान	जिला
1	2	3	4
1	बद्रीनाथ मंदिर समूह	द्वाराहाट,तहसील-रानीखेत	अल्मोड़ा
2.	बनदेव मंदिर	द्वाराहाट, तहसील-रानीखेत	अल्मोड़ा
3.	गुजरादेव मंदिर	द्वाराहाट, तहसील-रानीखेत	अल्मोड़ा
4.	कचेरी मंदिर समूह	द्वाराहाट, तहसील-रानीखेत	अल्मोड़ा
5.	कुतुमबारी मंदिर	द्वाराहाट, तहसील-रानीखेत	अल्मोड़ा
6.	मनियान मंदिर समूह	द्वाराहाट, तहसील-रानीखेत	अल्मोड़ा
7.	मृत्युंजय मंदिर समूह	द्वाराहाट, तहसील-रानीखेत	अल्मोड़ा
8.	रतन देव मंदिर	द्वाराहाट, तहसील-रानीखेत	अल्मोड़ा
9.	सूर्य मंदिर	कतरमाल, तहसील-अल्मोड़ा	अल्मोड़ा

1	2	3	4
10.	दंडेश्वर	कोतुली तथा चंदोट गुठ,जगेश्वर तहसील-अल्मोड़ा	अल्मोड़ा
11.	चांदी – का-मंदिर	फुलई गुंठ, जगेश्वर, तहसील-अल्मोड़ा	अल्मोड़ा
12.	जगेश्वर मंदिर	फुलई गुंठ, जगेश्वर, तहसील-अल्मोड़ा	अल्मोड़ा
13.	कुबेर मंदिर	फुलई गुंठ, जगेश्वर, तहसील-अल्मोड़ा	अल्मोड़ा
14.	मृत्युजंय मंदिर	फुलई गुंठ, जगेश्वर, तहसील-अल्मोड़ा	अल्मोड़ा
15.	नंदा देवी अथवा नौ दुर्गा	फुलई गुंठ, जगेश्वर, तहसील-अल्मोड़ा	अल्मोड़ा
16.	नावागढ़ मंदिर	फुलई गुंठ, जगेश्वर, तहसील-अल्मोड़ा	अल्मोडा
17.	पिरामिडाकार मंदिर	फुलई गुंठ, जगेश्वर, तहसील-अल्मोड़ा	अल्मोड़ा
18.	सूर्य को समर्पित मंदिर	फुलई गुंठ, जगेश्वर, तहसील-अल्मोड़ा	अल्मोड़ा
19.	प्राचीन मंदिर समुह,जिनमें शिव का मुख्य मंदिर तथा 17 उप मंदिर शामिल है	बैजनाथ अथवा वैद्यनाथ तहसील-बागेश्वर	बागेश्वर
20.	लक्ष्मी नारायण,राक्षस देवल एंव सत्य नारायण के रूप में प्रसिद्ध भारत आर्यन शिखर प्रकार के तीन मंदिर	तल्ली हाट, टीला कत्यौंर, तहसील-बागेश्वर	बागेश्वर
21.	सोलह मंदिरों के अवशेष	आदि बद्री, तहसील – कर्णप्रयाग	चमोली
22.	किला एंव दीवारें तथा इसके अंदर के निवास घर के खडहर एंव ऊपर की सीढ़ियां	चांदपुर, तहसील-कर्णप्रयाग	चमोली
23.	लोहे का त्रिशुल तथा एक बाण जिन पर एक प्राचीन तथा तीन आधुनिक उत्कीर्ण हैं	गोपेश्वर तहसील-गोपेश्वर	चमोली
24.	दो मंदिर	पांडुकेश्वर, तहसील-जोशीमठ	चमोली
25.	रूद्रनाथ मंदिर	गोपेश्वर, तहसील-गोपेश्वर	चमोली
26.	सर्वेक्षण सं. 89 में शैल अभिलेख	गांव मंदोल, तहसील गोपेश्वर	चमोली
27.	महासू का पवित्र मंदिर	हनोल,तहसील –चकराता	देहरादून
28.	प्राचीन स्थल	जगतराम, तहसील –विकास नगर	देहरादून
29.	अशोक का उत्कीर्ण शैल अभिलेख	कलसी, तहसील-चकराता	देहरादून
30.	कलिंग स्मारक	करनपुर,तहसील-चकराता	देहरादून
31.	मंदिर तथा उसके आस-पास की प्रतिमाएं	लखमण्डल, तहसील-चकराता	देहरादून
32.	बलेश्वर मंदिर समूह	चम्पावत, तहसील-चम्पावत	चम्पावत
33.	कोतवाली चबूतरा	चम्पावत , तहसील –चमपावत	चम्पावत
34.	बलेश्वर मंदिरों से लगा नाला अथवा ढका हुआ चश्मा	चम्पावत,तहसील-चम्पावत	चम्पावत

1	2	3	4
36.	पुराना, कब्रिस्तान	शेखीपुर तथा गणेशपुर, तहसील-रूड़की	हरिद्वार
37.	सैमुअल, एन्डरसन निकटेरिन की याद में स्मारक	ससनी, तहसील-ससनी	हरिद्वार
38.	गोहाना खेड़ा के नाम से प्रसिद्ध टीला	ससनी, तहसील- ससनी	हरिद्वार
39.	प्राचीन भवनों के अवशेष जिनकी स्थानीय पहचान वैराटपट्टन से की गई	ढीकुली, तहसील-रामनगर	नैनीताल
40.	द्रोणा सागर का उत्खनित स्थल (केवल प्रारम्भिक अधिसूचना जारी की गई)	मौजा उज्जैन काशीपुर,तहसील-काशीपुर	ऊधमसिंह नगर
41.	सीता का प्राचीन पवित्र मंदिर	सीताबनी,तहसील-रामनगर	नैनीताल
42.	उत्खनित स्थल तथा अवशेष	गांव खावली सेरा, पुरोला	उत्तरकाशी
43.	पाताल भुवेनेश्वर गुफांए	पाताल भुवनेश्वर, तहसील-दिदीहाट	पिथौरागढ़
44.	कुछ प्राचीन मंदिरों के अवशैष तथा एक उत्कीर्ण चिनाई मंदिर	गंगोलीहाट, तहसील-गंगोलीहाट	पिथौरागढ़

Protection of ancient religious places and temples in Uttaranchal

†*62. SHRI HARISH RAWAT: Will the Minister of CULTURE be pleased to state:

(a) the names of the ancient religious places and temples of Uttaranchal protected by the Archaeological Survey of India;

(b) whether his Ministry is working on the schemes for protection and development of these places; and

(c) if so, the details thereof together with the amount spent for this purpose during the last two years, year-wise and the amount proposed to be spent during the year 2004-05?

THE MINISTER OF CULTURE (SHRI S. JAIPAL REDDY): (a) to (c) A Statement is laid on the table of the House.

Statement

Protection of ancient religious places and temples in Uttaranchal

(a) There are 44 centrally protected monuments under the jurisdiction of Dehradun Circle of Archaeological Survey of India in the State of

†Original notice of the question was received in Hindi.

Uttaranchal, of which, 27 are temples/remains of temples. The details of these protected monuments are given in Statement (See below).

(b) Archaeological Survey of India is working on the various schemes for the development of these monuments. Besides conservation work, landscaping, tourist amenities such as drinking water and toilet facility, uniform signage, slogan boards, direction boards, shoe racks, stone benches, cast iron dustbins and suggestion boxes are provided at most of the sites of.Uttaranchal.

(c) The details of expenditure during the last 2 years are as **under:**

2002-2003	Rs. 64.13 lakhs
2003-2004	Rs. 138.83 lakhs

An amount of Rs. 168.89 lakhs has been proposed for the conservation programme during the year 2004-2005.

Statement

List of Centrally Protected Monuments under the Jurisdiction of Dehradun Circle, Dehradun in Uttaranchal

SI. No.	Name of Monument/Sites	Location	District
1.	Badrinath Group of Temples	Dwarahat, Tehsil-Ranikhet	Almora
2.	Bandeo Temple	Dwarahat, Tehsil-Ranikhet	Almora
3.	Gujardeo Temple	Dwarahat, Tehsil—Ranikhet	Almora
4.	Kacheri group of Temple	Dwarahat, Tehsil—Ranikhet, Almora	Almora
5.	Kutumbari Temple	Dwarahat, Tehsil-Ranikhet	Almora
6.	Maniyan group of Temples	Dwarahat, Tehsil-Ranikhet	Almora
7.	Mritunjaya group	Dwarahat, Tehsil-Ranikhet	Almora
8.	Ratan Deo Shrines	Dwarahat, Tehsil—Ranikhet	Almora

Sl. No.	Name of Monuments/Sites	Location	District
9.	Surya Temple	Katarmal, Tehelt—Almora,	Almora
10.	Dandeshwar Temple (Jageshwar), Tehsil—Almora,	Kotuli and Chandhok Gunth	Almora
11.	Chandi-ka-Temple	Phulai Gunth, Jageshwar, Tehsil—Almora,	Almora
12.	Jageshwar Temple	Phulai Gunth, Jageshwar, Tehsil—Almora,	Almora
13.	Kuber Temple	Phulai Gunth, Jageshwar, Tehsil—Almora,	Almora
14.	Mritunjaya Temple	Phulai Gunth, Jageshwar, Tehsil—Almora,	Almora
15.	Nanda Devi or Nau Durga	Phulai Gunth, Jageshwar, Tehsil—Almora,	Almora
16.	Nava-Grah shrine	Phulai Gunth, Jageshwar, Tehsil—Almora,	Almora
17.	Pyramidal shrine	Phulai Gunth, Jageshwar, Tehsil-AImora,	Almora
18.	Shrine dedicated to Surya	Phulai Gunth, Jageshwar, Tehsil—Almora,	Almora
19.	Group of ancient temples, consisting of main shrine of Siva and 17 subsidiary shrines	Baijnath or Vaidyanath Tehsil—Bageshwar,	Bageshwar
20.	Three temples of the Indo-Aryan shikara type known as Lakshmi Narayan, Raksha Deval and Satya Narayan	Talli Hat, Mound Katyur, Tehsil—Bageshwar,	Bageshwar
21.	Remains of sixteen temples	Adibadri, Tehsil—Karnprayag,	Chamoli
22.	Fort with walls and ruins of dwelling inside it and with flights of steps	Chandpur, house Tehsil—Karnprayag,	Chamoli
23.	Trident of iron with a shaft with one ancient and three modem inscriptions	Gopeshwar, Tehsil—Gopeshwar,	Chamoli

Sl. No.	Name of Monuments/Sites	Location	District
24.	Two Temples	Pandukeshwar, Tehsil—Joshimath,	Chamoli
25.	Rudranath temple	Gopeshwar, Tehsil—Gopeshwar,	Chamoli
26.	Rock Inscription in Survey Plot No. 89	Village Mandal, Tehsil—Gopeshwar,	Chamoli
27.	Temple sacred to Mahasu	Hanoi or Onol, Tehsil—Chakrata,	Dehradun
28.	Ancient site	Jagatram, Tehsil—Vikasnagar,	Dehradun
29.	The inscribed rock edicts of Asoka Tehsil—Chakrata,	Kalsi,	Dehradun
30.	Kalinga Monuments	Karanpur, Tehsil—Dehradun,	Dehradun
31.	Temple and images in its vicinity	Lakha Mandal, Tehsil—Chakrata,	Dehradun
32.	Group of Baleshwar Temples	Champawat Tehsil—Champawat,	Champawat
33.	Kotwali Chabutra	Champawat, Tehsil—Champawat	Champawat
34.	Naula or covered spring attached to Baleshwar Temples	Champawat, the Tehsil—Champawat	Champawat
35.	Khera ki Bandi, Old Cemetery	Rourkee, Tehsil—Rourkee,	Haridwar
36.	Old Cemetery	Shaikhpuri & Ganeshpur, Tehsil—Rourkee	Haridwar
37.	Monument in the memory of Samuel Anderson Nichterlein	Sasni, Tehsil—Sasni	Haridwar
38.	Mound known as Gohana Khera	Sasni, Tehsil—Sasni	Haridwar
39.	Remains of ancient buildings locally identified with Vairatapattana	Dhikuli, Tehsil—Ramnagar	Nainital
40.	Excavated site at Dronasagar (only preliminary notification issued)	Mauza Ujjain Kashipur, Tehsil— Kashipur	Udamsingh Nagar

Sl. No.	Name of Monuments/Sites	Location	District
41.	Old temple sacred to Sita	Sitabani, Tehsil—Ramnagar	Nainital
42.	Excavated site and Remains	Village Khawli Sera, Purola	Uttarkashi
43.	Patal Bhubaneswar Caves	Didihat, Patal Bhubaneswar	Pithoragarh
44.	Remains of a few old temples and an inscribed masonry well	Gangoli Hat, Tehsil—Gangoli Hat	Pithoragarh

श्री हरीश रावतः सर उत्तरांचल में हिमालयन क्षेत्र के कई पुरातत्व महत्व के स्थल भी हैं और मंदिर भी हैं और उनमें से अधिकांश मंदिर या जो पुरात्तव महत्व के स्थल हैं उनकी देखरेख और उनको विकसित करने पर पूरा ध्यान नहीं दिया जा रहा है ताकि जो दुनियां भर के टूरिस्ट वहां आते हैं वे उसका समुचित आन्नद लें सकें या समुचित रूप से उसकों देख सकें, उसका समझ सकें । परन्तु इसके लिए कोई सार्थक प्रयास, महत्वपूर्ण प्रयास अभी तक नहीं हो पाएं हैं । जो पैसा उन पर खर्च कियाजा रहा है वह भी माननीय मंत्री जी ने जो स्टेटमेंट सदन के पटल पर रखा है उसको देखने से स्पष्ट हो जाता है कि बहुत कम खर्च किया जा रहा है । तो मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना .चाहता हूं कि कटारमल का सूर्य मंदिर, जो कोणार्क के सूर्य मंदिर से पहले से स्थापित हैं और जिसका कुछ हिस्सा धंस रहा है, टूट रहा है और उससे लेकर के अन्य कई मंदिरों और पुरातत्व महत्व के स्थलों का जिस तरीके से क्षरण हो रहा है , उसको रोकने के लिए कोई विस्तृत कार्य योजना वे बनाएंगे और उसके तहत वे कितना पैसा खर्च करने जा रहे हैं ? कृपया इस योजना के बारे में बताने का कष्ट करें ।

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, ours is a country with huge heritage. But we have limited funds. Having regard to this, we are trying to do our best within the financial limitations. In regard to Uttaranchal, I would like to say one thing. In 2002-03, we spent only Rs. 64 lakhs. This year, we are going to spend more than Rs. 168 lakhs. In other words, over a period of two years, there has been three hundred per cent increase in expenditure. If .more money is required, I will try and mobilise it. As for temples referred to, I cannot answer off-hand, but I will direct my Department to see to it that temples referred to are attended for consideration.

श्री हरीश रावत : सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी और सारे देश के संज्ञान में यह बात कई बार आई है कि वहां के पुरात्त्व महत्व के मंदिरों से मूर्तियों चोरी हुई और उनमें से जो मूर्तियां रिकवर हुई है, उनको देश के कई स्थानों पर रखा गया है । जो मूर्तियों जागेश्वर से चोरी की गई थी,उनके लिए तो संग्रहालय बनाया गया हैं । मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि किसी और स्थान पर भी, जहां मूर्तियां रिकवर कर ली गई है मगर अब वे स्टोर में पड़ी हुई है, इसके लिए क्या मंत्री जी और संग्रहालय बनाने पर विचार करेंगे ताकि पर्यटक उनको देख सकें और लोग अपनी संस्कृति के विषय में जानकारी ले सकें ?

SHRI S. JAIPALREDDY: Sir, in Uttaranchal, after the formation stage, we have sanctioned a special circle because of which our work is getting intensified. As for theft of idols, I don't have the information. But I will, certainly get that attended to. And, Sir, there are only 44 sites. And, in regard to those 44 sites, the Member can write to me. I will get all those things attended to.

श्री मती सुषमा स्वराज : सभापति जी,उतरांचल को देवभूमि के नाम से जाना जाता है, इसीलिए माननीय सांसद महोदय ने यह सवाल प्राचीन धर्म-स्थलों और टेम्पल्स यानी मंदिरों के बारे में पूछा था । मंत्री महोदय,ने जो जवाब दिया है उसमें कहा है कि भारतीय पुरात्तव सर्वेक्षण विभाग कुल 44 स्मारकों पर काम कर रहा है, जिसमें से 27 मंदिर या मंदिरों के अवशेष हैं । आपने जो खर्च का ब्यौरा दिया है, उसके बाद भाग "ख" के बारे में, माननीय मंत्री जी, मैं आपसे यह जानना चाहूंगी कि क्या यह पूरा खर्चा आपने 44 स्मारकों का बताया है 27 या जो मंदिर या मंदिरों के अवशेष हैं, उनका बताया है?

SHRI S. JAIPAL REDDY: I think it relates to all the 44, and these necessarily not confine to temples. But, as you know, in view of our financial limitations, we may not have taken up the work on all the 44...

श्री मती सुषमा स्वराजः सभापति जी, मैंने यह जानबूझकर सवाल इसलिए पूछा था कि यह तरीका गलत है । आप जरा सवाल पढ़िये । सवाल के भाग "सी"में उन्होनें पूछा था , (c) the details thereof together with the amounts spent for this purpose. Which purpose? जो शुरू में उन्होनें पूछा, ancient religious places and temples', पहले सवाल में उन्होनें पूछा कि कितना खर्च हो रहा है, इन टेम्पल्स पर और उन पर । जवाब आ रहा है सबका । अब हमें क्या मालूम कि उन 44 स्मारकों में से 27 मंदिरों पर कितना खर्चा हो रहा है? यह जो जवाब देने का तरीका है यह तरीका अपने आप में गलत है । पूछा कुछ जाता है और जवाब कुछ आता है । आप स्वंय प्रश्न पढ़िये ।

श्री सभापति : यह तरीका बहुत पुराना है ।

श्री मती सुषमा स्वराज : नहीं, सर । हम स्पेशली देखा करते थें। यह तरीका पुराना नहीं है । ....(**व्यवधान**) ... सभापति जी, जिस समय मैं मंत्री थी मैं खुद देखा करती थी कि क्या सवाल पूछा गया है । ...(**व्यवधान**)..

श्री सभापति : आपसे भी पुराना है...(**व्यवधान**)...

श्री मती सुषमा स्वराजः माननीय मंत्री जी, अब यह बताइये कि 44 स्मारकों का खर्चा है तो इसमें से 27 मंदिर और मंदिर के अवशेषों पर कितना खर्चा हुआ है ?

SHRI S. JAIPAL REDDY: Now, that is not the way I understand the question. Secondly, Mr. Chairman, Sir, it refers to temples and remains of temples. I may further state that many of the more important temples are not heritage

sites because they are all living temples. Therefore, the expenditure, as a whole, has been indicated. If the House is interested, I will supply...

SHRIAMATI SUSHMA SWARAJ: Not the House, the questioner was interested, Mr. Minister.The questioner wanted to know the amount spent for this purpose. When you bifurcate and say that 27 are temples/remains of temples, you should have given the amount spent on these 27 temples.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, you are indulging in hair-splitting ... *{interruptions)*

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: I am not indulging...

SHRI S. JAIPAL REDDY: Please, you have made your comments. Now let me make my comments. When I say, 'protected monuments', temples and all others are protected monuments. Therefore, details of all the monuments have been given.

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: No, Sir. *(interruptions)*

श्री मोती लाल वोरा : सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि उन्होनें अपने जवाब के भाग "ख" में कहा है कि "Archaeological Survey of India is working on various schemes for the development of these monuments. Besides conservation work, landscaping, tourist amenities such as drinking water..." I would like to know from the hon. Minister about those schemes and at which places they are being taken up. Secondly, the Badrinath Temple and the Kedamath Temple are the most important temples in the Uttaranchal. I would like to know from the hon. Minister how much money has been spent on these two temples in the last two years.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, taking up the second question first, I would like to say that it is a very important question, but these two important temples are not exactly heritage sites under the ASI because they are the famous living temples. The management does not want to entrust them to us. We, however, lend our expertise and assistance whenever it is called for.

श्री एम.एस.गिल : सर कभी दांई ओर भी देख लिया करें , हम भी पड़े हैं राहों में ।

श्री सभापति : मैंने देखा है, तभी आपको बुलाया है ।

श्री एम.एस.गिल : मंत्री जी, जिनका मैं बड़ा आदर करता हूं, उनसे मैं एक बात कहना चाहता हूं कि यह आज की बात नहीं है, यह चालीस साल की बात है कि हिन्दुस्तान के पुरात्तव के लिए न बजट हैं, न ध्यान है, न कोई टेक्नीकल सपोर्ट है । मैंने थोड़ा बहुत मंदिर देखे हैं, उनके बारे में मैं जानता हूं किन्तु आज मैं ज्यादा नही कहूंगा । जो उत्तरांचल की बात रावत जी ने कही हैं, मैं उसको बिल्कुन इंर्डोस करता हूं । जिस सूर्य मंदिर, सन टेम्पल का ज़िक्र कर रहें हैं, मैंने ऊपर चढ़कर देखा

है काफी ऊंची पहाड़ी के ऊपर है वह मंदिर है । उसे देखकर बड़ा आनन्द आया । लेकिन उसकी हालत खस्ता है । मुझे यही बताया गया कि कोणार्क को छोड़कर यही सन टेम्पल है । उत्तरांचल,कश्मीर,हिमाचल, अरूणाचल प्रदेश जितने पहाड़ी इलाके हैं वे टूरिज्म पर निर्भर करते हैं और होना चाहिए । इसीलिए कृपा करके ऊपर खर्चा करिए ताकि लोग वहां जाएं, उन्हें देखें । क्या मंत्री जी उस मंदिर का खास ध्यान करेंगे क्योंकि वह बहुत बढ़िया मंदिर हैं ?

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, Surya Temple is fortunately a heritage site. I share his view of the importance of this temple. We will see more attention is paid to it immediately.

Expenditure on education

*63. SHRI K. RAMA MOHANA RAO: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the expenditure Government propose to incur on education during the Tenth Five Year Plan;

(b) the percentage of GDP that Government are planning to spend on education during the above plan period;

(c) the amount spent so far on education during the above plan, year-wise; and

(d) the contribution made by the State, local bodies and the Centre on education in the first three years of the Plan?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

The Tenth Plan (2002-07) Outlay for the Department of Secondary and Higher Education and the Department of Elementary Education and Literacy of the Government of India is Rs. 43.825 crores and the projected outlay for the States/UTs for general and technical education is Rs. 41,807.08 crores.

The percentage of GDP spent by the Central Government on education during 2002-03 and 2003-04 is about 0.7% in each year. The total expenditure on education by both Central and State Governments during 2002-03 and 2003-04 is estimated at 3.79% and 3.75% of GDP, respectively. The National Common Minimum Programme of the Government pledges to raise public spending in education to at least 6% of GDP with at least half this amount being spent on the primary and secondary education sectors,